॥ ॐ जय जगदीश हरे आरती ॥

Chalisamantras.com

ॐ जय जगदीश हरे,
स्वामी जय जगदीश हरे ।
भक्त जनों के संकट,
दास जनों के संकट,
क्षण में दूर करे
ॐ जय जगदीश हरे ।

जो ध्यावे फल पावे,
दुःखबिन से मन का
स्वामी दुःखबिन से मन का ।
सुख सम्पति घर आवे
सुख सम्पति घर आवे,
कष्ट मिटे तन का
ॐ जय जगदीश हरे ।

मात पिता तुम मेरे,
शरण गहूं किसकी
स्वामी शरण गहूं मैं किसकी ।
तुम बिन और न दूजा
तुम बिन और न दूजा,
आस करूं मैं जिसकी
ॐ जय जगदीश हरे ।

तुम पूरण परमात्मा,
तुम अन्तर्यामी
स्वामी तुम अन्तर्यामी ।
पारब्रह्म परमेश्वर

Chalisamantras.com

पारब्रह्म परमेश्वर,
तुम सब के स्वामी
ॐ जय जगदीश हरे ।

तुम करुणा के सागर,
तुम पालनकर्ता
स्वामी तुम पालनकर्ता ।
मैं मूरख फलकामी
मैं सेवक तुम स्वामी,
कृपा करो भर्ता
ॐ जय जगदीश हरे ।

तुम हो एक अगोचर,
सबके प्राणपति
स्वामी सबके प्राणपति ।
किस विधि मिलूं दयामय
किस विधि मिलूं दयामय,
तुमको मैं कुमति
ॐ जय जगदीश हरे ।

दीन-बन्धु दुःख-हर्ता,
ठाकुर तुम मेरे
स्वामी रक्षक तुम मेरे ।
अपने हाथ उठाओ
अपने शरण लगाओ,
द्वार पड़ा तेरे
ॐ जय जगदीश हरे ।

Chalisamantras.com

विषय-विकार मिटाओ,
पाप हरो देवा
स्वमी पाप हरो देवा ।
श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ
श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ,
सन्तन की सेवा
ॐ जय जगदीश हरे ।

ॐ जय जगदीश हरे,
स्वामी जय जगदीश हरे ।
भक्त जनों के संकट,
दास जनों के संकट,
क्षण में दूर करे
ॐ जय जगदीश हरे ।

Chalisamantras.com

Chalisamantras.com